Krishnagar Academy
Subject - 2nd Lang. Hindi
class - IX

विनय के पद

E.P Q. & Answer

प्रश्न: 1. 'अंजन कहा आँख जेहि फूटे' कवि ने इस वाक्यांश का प्रयोग क्यों किया है? समझाकर लिखो

उत्तर: कवि तुलसीदास जी श्री राम के अनन्य भक्त थे तथा वे सभी को उनकी भक्ति करने को प्रेरित करते क्योंकि उनका मानना था कि जो कोई भी श्री राम की भक्ति सच्चे मन से करेगा उसी का श्री राम उद्धार करेंगे। जो श्री राम और सीता से सच्चा प्रेम रखेगा उन्हें अंजन (काजल) की भाँति अपने आँखों में बसाएगा वही उनके करीब होंगे। वही सच्चा प्रेम कहलाएगा। वे कहते हैं जो इनसे सच्चा प्रेम नहीं करते वे उस अंजन के समान हैं जिसे आँखों को ठीक करने के लिए तो लगाते हैं परन्तु उससे नुकसान ही होता है।

हिरण्यकशिपु ने भगवान का विरोध कर स्वयं को भगवान कहा तथा अपने पुत्र विष्णु भक्त प्रह्लाद को भी से मानने को कहा जिससे उन्होंने अपने पिता को ही छोड़ दिया था। विभीषण ने अपने भाई रावण को छोड़ दिया था क्योंकि वह राम विरोधी था। कैकयी ने राम को छोड़ अपने बेटे भरत से स्नेह किया तो उसी के पुत्र ने उसका त्याग कर दिया। इस प्रकार राम-विरोधी होने के कारण उन सभी ने अपने प्रियजनों को छोड़ा और उनका कल्याण हुआ।

प्रश्न : 2. 'मुद मंगलकारी' किसे कहा गया है? राजा बलि ने अपने गुरु का परित्याग क्यों और कब किया?

उत्तर: 'मुद मंगलकारी' प्रभु श्री राम को कहा गया है। यहा राजा बलि तथा उनके गुरु शुक्राचार्य की बात की जा रही है। जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से तीन पग धरती माँगी थी और राजा बलि ने उन्हे यह भूमि देने का संकल्प कर लिया था तभी बलि के गुरु शुक्राचार्य ने अपने ज्ञान द्वारा जान लिया था कि ये वामन जो धरती माँग रहे है, कोई और नही विष्णु जी है। इसलिए अनर्थ की आशंका करके उन्होने राजा बलि से यह कार्य करने के लिए मना किया। लेकिन बलि ने उनकी बात नही मानी। उन्होने कहा कि जिन त्रिलोकीनाथ को प्रसन्न करने के लिए संसार में सभी तप, यज्ञ, जाप, दान आदि करते है, वह स्वयं उनके दरवाजे पर आए है तो बिना दान के उन्हे कैसे वापस भेजे। इस प्रकार विष्णु भगवान के लिए राजा बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य का परित्याग किया।